RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 243
दि. 03.01.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सीएम योगी का निर्देश, विभाग समय से आवंटन बजट का इस्तेमाल करें

जिन विभागों में बजट व्यय में प्रगति धीमी, वे लाएं तेजी, हर अधिकारी की तय हो जिम्मेदारी

लखनऊ, 2 जनवरीः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने शुक्रवार सुबह वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा विभिन्न विभागों को जारी बजट के व्यय को लेकर वित्त विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभागों के बजट प्राविधान के सापेक्ष शासन द्वारा जारी स्वीकृतियों, विभागाध्यक्ष द्वारा आवंटन, व्यय आदि की अद्धयावधिक प्रगति पर अधिक बजट प्राविधान वाले प्रमुख 20 विभागों का प्रस्तुतिकरण किया गया।

जिन विभागों में बजट व्यय में प्रगति धीमी, वे लाएं तेजी, हर अधिकारी की तय हो जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रमुख 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने सभी प्रमुख विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी विभाग समय से आवंटन बजट का इस्तेमाल करें ताकि परियोजनाएं और योजनाएं समय से पूरी हो सकें और प्रदेशवासी इन योजनाओं लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बजट

को समय से खर्च करने के लिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुंरत निर्णय लें। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने में देरी से समय से बजट व्यय नहीं हो पाता है। ऐसे में निर्णय लेने में तेजी दिखाएं।

विभाग मंत्री, एसीएस और प्रमुख सचिव केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए दिल्ली जाएं और पैरवी करें

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है। इसमें तेजी लाने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर हर माह बैठक करें। वहीं मुख्यमंत्री जी ने वित्त विभाग को निर्देश दिये कि जिन विभागों के आवंटन बजट के कुछ अंश को अभी तक किंहीं कारणों से जारी नहीं किया गया है, उन विभागों को तत्काल बजट आवंटित करें। उन्होंने सभी प्रमुख 20 विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन विभागों को विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से बजट जारी किया जाता है। इसके लिए विभाग के मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए पैरवी करें। इसके साथ ही केंद्र सरकार को पत्र लिखें और फोन से फालोअप करें। इसको लेकर मुख्य सचिव भी इनोसेटिव लें। मुख्यमंत्री जी ने अपने कार्यालय को निर्देश दिये कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, उनको चिन्हित करें और उनके विभाग के मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी करें।

अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की नई कार्ययोजना पर अभी से शुरू कर दें तैयारियां

मुख्यमंत्री जी ने बैठक में वित्त विभाग को निर्देश दिये कि आगामी अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर अभी से सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांग की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि आगामी बजट को विभाग आवंटित करने से पहले उनके पिछले पांच वर्ष के खर्च के आकंलन की समीक्षा करें। उन्होंने निर्देश दिये कि वित्त विभाग नई कार्ययोजना को लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दे। वहीं केंद्र सरकार से आगामी बजट आवंटन को लेकर बेहतर समन्वय बनाएं ताकि समय से केंद्र सरकार से बजट मिल सके।

'भारत में हिटलर का निजाम लाना चाहते हैं कुछ लोग'– कश्मीरी व्यापारियों पर हमलों पर फारूक अब्दुल्ला का तीखा हमला; कैथल में एफआईआर दर्ज

श्रीनगर/कैथलः (एजेंसी)। उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में कश्मीरी शॉल विक्रेताओं के साथ कथित उत्पीड़न और मारपीट की घटनाओं ने जम्मू-कश्मीर की राजनीति में उबाल ला दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने इन घटनाओं पर बेहद सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने हमलावरों की तुलना 'हिटलर के शासन' से करते हुए कहा कि कट्टरपंथ का अंत निश्चित है।

फारूक अब्दुल्ला का 'हिटलर' वाला बयानः श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने उत्तर भारत में कश्मीरी व्यापारियों की सुरक्षा पर चिंता जताई। उन्होंने कहाः

'ये हमारी किस्मत है। कुछ लोग हैं जिनका मकसद ही कुछ और है। वो चाहते हैं कि हिटलर का निजाम यहाँ शुरू हो। लेकिन याद रहे, हिटलर ने खुद को गोली मार ली थी और वहां फासीवाद खत्म हो गया। यहाँ भी एक वक्त आएगा जब ये कट्टरपंथी खत्म हो जाएंगे।'

कैथल में पुलिस की कार्रवाईः हालिया मामला हरियाणा के कैथल जिले से सामने आया है, जहाँ कश्मीरी शॉल बेचने वाले एक व्यक्ति पर हमला किया गया। जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन (खडरअ) ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया। कैथल की पुलिस अधीक्षक (रढ) उपासना ने बताया कि पुलिस ने घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए ऋक्षफ दर्ज कर ली है और आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी जारी है।

उप-राष्ट्रपति ने चेन्नई स्थित डॉ. एमजीआर शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान के 34वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

उपराष्ट्रपति ने कहा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

उपराष्ट्रपति ने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उभरती प्रौद्योगिकियों के युग में सतत शिक्षा की अहम भूमिका

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज चेन्नई स्थित डॉ. एम.जी.आर. शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान के 34वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति ने नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उतीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी।

लोकतंत्र के लिए साहित्य और निडर अभिव्यक्ति जरूरीः उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति चेन्नई में रामनाथ गोयनका साहित्य सम्मान समारोह में शामिल हुए

(एजेंसी)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन आज चेन्नई में रामनाथ गोयनका साहित्य सम्मान समारोह में शामिल हुए। यह इन पुरस्कारों का तीसरा संस्करण है।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि रामनाथ गोयनका साहित्य सम्मान साहित्य, विचारों और निडर अभिव्यक्ति की स्थायी शक्ति का उत्सव मनाता है।

श्री राम नाथ गोयनका को श्रद्धांजलि देते हुए उपराष्ट्रपति ने उन्हें निडर पत्रकारिता की महान हस्ती बताया, जिन्होंने ईमानदारी, बौद्धिक साहस और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखा। उपराष्ट्रपति ने उन्हें 'भारतीय लोकतंत्र का विवेक रक्षक' कहा, जिनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहती है।

श्री जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में संपूर्ण क्रांति के दौर से अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को स्मरण करते हुए श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान श्री राम नाथ गोयनका ने पत्रकारिता के मूल्यों को बनाए रखा और बिना किसी डर के प्रेस सेंसरशिप का विरोध किया। उन्होंने इमरजेंसी के दौरान प्रकाशित प्रतिष्ठित खाली संपादकीय को मौन की शक्ति और पत्रकारिता की नैतिक शक्ति के शक्तिशाली प्रदर्शन के रूप में उजागर किया।

उपराष्ट्रपति ने समाचार पत्रों से राष्ट्रीय विकास के मुद्दों को अधिक स्थान देने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि नियमित रूप से कम से कम दो पृष्ठ रचनात्मक चर्चा के लिए समर्पित किए जाएं जो राष्ट्रीय चेतना और नागरिकों को सूचित करके की प्रक्रिया को मजबूत करे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब सच्चाई को दृढ़ विश्वास के साथ कायम रखा जाता है, तो उसमें अपनी नैतिक शक्ति होती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की प्रगति समावेशी होनी चाहिए, जिसमें सभी भाषाएं और सांस्कृतिक परंपराएं एक साथ आगे बढ़ें। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक, भाषाई और बौद्धिक विरासत को राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में रखने में प्रधानमंत्री के नेतृत्व को स्वीकार किया। उपराष्ट्रपति ने भारतीय भाषाओं और परंपराओं को बढ़ावा देने की विभिन्न पहल का जिक्र किया, जिसमें मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देना शामिल है। संस्कृति मंत्रालय के ज्ञान भारतम मिशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह पहल डिजिटल और एआई-संचालित उपकरणों के माध्यम से भारत की पांडुलिपियों और ज्ञान प्रणालियों को संरक्षित करने के लिए परंपरा को प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करती है।

श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि साहित्य हमेशा समाज के दर्पण और सभ्यतागत मूल्यों के मशाल वाहक के रूप में काम करता रहा है, ऐसे में तेजी से हो रहे आर्थिक, तकनीकी और सामाजिक बदलाव के दौर में, लेखकों और बुद्धिजीवियों की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनकी भूमिका रचनात्मकता से आगे बढ़कर सामाजिक सद्भाव, संवैधानिक मूल्यों और नैतिक चर्चा को बढ़ावा देने तक फैली हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आधारशिला बनी हुई है और यह तब सबसे अच्छी तरह फलती-फूलती है जब इसे जिम्मेदारी, सहानुभूति और जवाबदेही के साथ उपयोग किया जाता है।

वेदों और उपनिषदों से लेकर महाकाव्यों, भक्ति और सूफी कविता और आधुनिक साहित्य तक भारत की समृद्ध साहित्यिक विरासत का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि बहुलता, बहस और स्वतंत्र अभिव्यक्ति के प्रति सम्मान भारत की सभ्यतागत भावना में गहराई से निहित है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत को न केवल आर्थिक ताकत और तकनीकी प्रगति से, बल्कि सामाजिक समावेश, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों से भी परिभाषित किया जाता है। यह देखते हुए विकसित भारत की यात्रा के लिए प्रबुद्ध दिमाग, रचनात्मक अभिव्यक्ति और मजबूत नैतिक दिशा की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि साहित्य और पत्रकारिता सूचित बहस, रचनात्मक असहमति और लोकतांत्रिक सतर्कता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अमरावती में प्रार्थना सभा के दौरान पादरी सुधीर विलियम गिरफ्तार

VHP और बजरंग दल की शिकायत पर पुलिस का बड़ा एक्शन, पादरी की गिरफ्तारी पर 'सियासी' उबालः केरल के सीएम और कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

अमरावती/वरुडः (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहाँ पुलिस ने धर्मांतरण के आरोपों और स्थानीय विरोध के बीच पादरी सुधीर विलियम को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई मंगलवार को अमरावती शहर से लगभग 80 किलोमीटर दूर वरुड इलाके में की गई, जब पादरी एक सार्वजनिक सभा को संबोधित कर रहे थे।

क्या है पूरा मामला? मिली जानकारी के अनुसार, वरुड के रितेश बॉन्ड्रे के घर के सामने एक टेंट लगाकर सभा का आयोजन किया जा रहा था। स्थानीय निवासी लक्ष्मण शेडे की शिकायत के मुताबिक, इस बैठक को लेकर विश्व हिंदू परिषद (श्लढ) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कड़ी आपत्ति जताई थी। हिंदूवादी संगठनों का आरोप था कि इस सभा की आड़ में संदिग्ध गतिविधियां संचालित की जा रही थीं।

हंगामे के बाद पुलिस की एंट्रीः सभा स्थल पर कार्यकताओं के विरोध और तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुँची। पुलिस ने लक्ष्मण शेडे की आधिकारिक शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पादरी सुधीर विलियम को हिरासत में ले लिया। पादरी के समर्थन में आए कई अन्य लोगों ने जब गिरफ्तारी का विरोध किया, तो पुलिस ने उन्हें भी हिरासत में ले लिया है।

पुलिस का बयानः अमरावती पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और सभा के उद्देश्य की जांच की जा रही है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस

यह भी जांच रही है कि क्या इस सभा के लिए प्रशासन से आवश्यक अनुमति ली गई थी या नहीं।

महाराष्ट्र के अमरावती में पादरी सुधीर विलियम और उनके समर्थकों की गिरफ्तारी का मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर तूल पकड़ चुका है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और कांग्रेस के दिग्गज नेता केसी वेणुगोपाल सहित कई विपक्षी नेताओं ने इस कार्रवाई को अल्पसंख्यकों पर हमला बताते हुए बीजेपी सरकार की कड़ी आलोचना की है। हालांकि, कानूनी मोर्चे पर राहत मिलते हुए अदालत ने गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को रिहा करने का आदेश दे दिया है।

पिनाराई विजयनः 'ध्रुवीकरण की कोशिश' केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस घटना को 'बेहद परेशान करने वाला' करार दिया। उन्होंने संघ परिवार पर निशाना साधते हुए कहाः 'यह अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर ध्रुवीकरण बढ़ाने की एक चिंताजनक प्रवृत्ति है। ऐसी कार्रवाइयां संविधान द्वारा दी गई धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करती हैं।'

मोदी सरकार में पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना खत्म होने के कगार पर पहुंची, कैग रिपोर्ट के आधार पर बोली कांग्रेस

(एजेंसी)।

कांग्रेस ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए शुक्रवार को दावा किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा पैसे का उचित आवंटन नहीं करने के कारण पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) खत्म होने के कगार पर पहुंच चुकी है।

नेशनल डेस्कः कांग्रेस ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए शुक्रवार को दावा किया कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा पैसे का उचित आवंटन नहीं करने के कारण पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) खत्म होने के कगार पर पहुंच चुकी है। पार्टी के 'पूर्व सैनिक विभाग' के प्रमुख कर्नल (सेवानिवृत्त) रोहित चौधरी ने सरकार से आग्रह किया कि इस योजना के लिए हर साल 14 हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की जाए। चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, "जवानों को ये भरोसा रहता है कि सेवानिवृत्ति के बाद सरकार उनका और उनके परिवार का ध्यान रखेगी।

लेकिन मोदी सरकार इस भरोसे के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रही है। 2003 में सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों के लिए पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) शुरू किया गया था। कहा गया था कि ये एक कैशलेस और कैपलेस योजना होगी।" उन्होंने दावा किया कि कैग की रिपोर्ट में बताया गया है कि इतने दिनों में पूर्व सैनिकों की तादाद बढ़ती जा रही है, लेकिन सरकार ने उसके हिसाब से न कोई व्यवस्था बनाई और न ही पैसे का आवंटन बढ़ाया है। चौधरी का कहना है, "कैग की रिपोर्ट बताती है कि सेना में जवानों की कमी है, इसलिए जल्द से जल्द इसे पूरा किया जाए।

इसके अलावा, ईसीएचएस पूरी तरह से तबाही की कगार पर खड़ी है। साल 2023-24 में 13,500 करोड़ रुपये की जरूरत थी, लेकिन बदले में सिर्फ 9,831 करोड़ रुपये मिले।" उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिक कल्याण विभाग किसी भी हाल में ईसीएचएस चलाने के लिए सक्षम नहीं है तथा ऐसे में इसे इसे सीडीएस के तहत लाया जाए। पूर्व सैनिक कल्याण विभाग ने ईसीएचएस की प्रशासनिक ताकत छीन ली है, उसे वापस किया जाए, 14 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए जाएं और बकाया बिल मंजूर किए जाएं।" कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर ये मांगें पूरी नहीं गईं, तो 30 जनवरी के बाद पूर्व सैनिक दिल्ली आएंगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी से मुलाकात कर सरकार से बात करेंगे।

सम्पादकीय

पाकिस्तान ऐसा देश जिसे भारत से पानी भी चाहिए और निर्दोष भारतीयों की हत्या करने के लिए आतंकी भी है भेजता

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शुक्रवार को आईआईटी मद्रास में छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान कहा कि बात जब बुरे पड़ोसियों की आती है तो भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है। इसी के साथ विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि आतंकी हमला कराने वाला पड़ोसी हमारे देश की नदियों का पानी साझा करने की बात भी नहीं कर सकता। यह सच है कि भारत के पड़ोसियों में पाकिस्तान ही एक ऐसा देश है जिसे भारत की नदियों का पानी भी चाहिए और भारत के निदरेष लोगों की हत्या करने के लिए आतंकी भी भेजता है। दरअसल पाकिस्तान को लगता था कि मौजूदा सरकार भी अपनी पूर्ववता सरकारों की ही तरह हैं। इसलिए 2014 के बाद जब प्राधानमंत्री मोदी ने सत्ता संभाली तो उसने अपनी कार्यशैली में बदलाव नहीं किया। किन्तु भारत सरकार ने तभी पैसला कर लिया कि अब आतंकी राष्ट्र को भारत उसी की भाषा में समझाएगा। इसलिए 2016 में पाक अधिवृत कश्मीर में सर्जिकल स्ट्राइक की और 2019 में एयर स्ट्राइक और मई 2025 में आपरेशन सिदूर किया। अपने दुष्ट पड़ोसी को समझाने के लिए भारत की सरकारों ने कई बार प्रायास किया। पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर नरेन्द्र मोदी तक जितने भी प्राधानमंत्री हुए सभी ने पाकिस्तान को पहले अपना छोटा भाई माना किन्तु पाकिस्तान ने हमारे सारे प्राधानमंत्रियों की सद्भावना का जवाब अपनी दुष्टता से दिया। आज स्थिति यह है कि भारत अपने दुष्ट पड़ोसी को सबक सिखाने के लिए हमेशा तैयार रहता है। आतंकवाद को लेकर भारत का पाकिस्तान के प्राति अत्यन्त कठोर रुख है। असल में 1971 में आत्म समर्पण करने के बाद पाकिस्तान की समझ में आ गया कि अब पाकिस्तान कभी भी भारत को कनवेंशनल वार में नहीं हरा सकता। इसलिए उन्होंने छद्म युद्ध यानि आतंकवाद का सहारा लिया। पाकिस्तान इस बात को अच्छी तरह समझता है कि उसे फिदायीन आतंकी पर बहुत कम खर्च करना पड़ेगा जबकि भारत की सेना और अन्य सुरक्षा संसाधनों की भारी क्षति होगी। यही कारण है कि उसने सस्ते युद्ध को जारी रखते हुए भारत के साथ वूटनीति भी जारी रखी। उसकी यह रणनीति मई 2014 तक तो सफलतापूर्वक चलती रही किन्तु जैसे ही मोदी की सरकार आई उसने पाकिस्तान की हकीकत समझने में ज्यादा समय बर्बाद नहीं किया। मोदी की टीम अजित वुमार डोभाल जैसे अनुभवी जासूसों ने समझ लिया कि अब पाकिस्तान के आतंकियों को सबक सिखाने का समय आ गया है। हैरानी की बात तो यह है कि वुछ वूटनीति के जानकारों ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने पर आपत्ति भी की थी। उनका मानना था कि पाकिस्तान में यदि राजनीतिक सरकार के प्राति कड़ा रुख अपनाया तो वहां की सेना अपनी सरकार का तख्ता पलट देगी। यह वुतर्व बहुत दिनों तक भारत में चला। किन्तु मोदी सरकार ने बहुत स्पष्ट तरीके से तय किया कि भारत की सेना पाकिस्तान की जनता, सरकार या सेना के खिलाफ नहीं है। भारत की सरकार और सेना उन आतंकियों के खिलाफ है जो हमारे देश में उत्पात मचाते हैं। यही कारण है कि भारत ने हमेशा पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया है। भारत को पाकिस्तान की एक इंच जमीन भी नहीं चाहिए लेकिन भारत उन राक्षसों को कदापि नहीं छोड़ेगा जिसने भारत के नागरिकों को निशाना बनाया हो। यह दूसरी बात है कि पाकिस्तान की सेना ने अपने आतंकियों के ठिकानों को अपना ट्रेनिग सेंटर मानकर बदला लेने के उद्देश्य से सीमावता निवासियों को निशाना बनाकर अपनी कायराना हरकत का परिचय दिया। भारत किसी भी देश की यह सलाह मानने वाला भी नहीं है कि पाकिस्तान तो खुद ही आतंकवाद का पींड़त है। भारत मानता है कि आज पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा ब्लूचिस्तान और कराची में आतंकी घटनाओं के लिए खुद इस्लामाबाद की नीतियां जिम्मेदार हैं। रही बात भारत द्वारा जल संधि को मानने या न मानने की तो भारत ने अपने पड़ोसी को इस बात का एहसास दिलाने के लिए संधि को निलंबित किया है कि वह पंडित जवाहरलाल नेहरू की सहृदयता को महसूस करें जिन्होंने 1960 में दुष्ट पड़ोसी को इसलिए 80 प्रातिशत पानी दे दिया ताकि वह भारत के साथ शत्रुता न करे।

गुजरात की कुल 185 नदियों के तटों की भूमि पर वन विभाग द्वारा 'वृक्ष पोषण अभियान' चलाया जाएगा

गांधीनगर, 02 जनवरी : वायु प्रदूषण और क्लाइमेट चेंज की वैश्विक समस्या के बीच पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्ष पोषण एवं संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। केंद्र सरकार के वर्ष 2023 की इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार गुजरात में वन एवं वृक्ष कवर राज्य के कुल क्षेत्रफल का 11.03 प्रतिशत है। वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि इस ग्रीन कवर में वृद्धि करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है, जिसके अंतर्गत गुजरात की कुल 185 नदियों के दोनों तटों की भूमि पर वन विभाग द्वारा 'वृक्ष पोषण अभियान' चलाया जाएगा। ग्रीन कवर बढ़ने से राज्य का वन क्षेत्र बढ़ेगा, जिससे वर्षा में वृद्धि होगी, जलवायु परिवर्तन रोका जा सकेगा, साथ ही राज्य में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ेगी और कार्बन फुटप्रिंट में कमी आएगी।

वन मंत्री श्री अर्जुन मोढवाडिया ने और विवरण देते हुए कहा कि राज्य में ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए राज्य की सभी 185 नदियों के दोनों तटों के वन संरक्षण तथा संवर्धन का कार्य वन विभाग को सौंपा गया है। इसके अंतर्गत वृक्ष पोषण के उपयोग हेतु भूमि का पहले सीमांकन तथा जीआईएस मैपिंग कर कार्यक्षेत्र निश्चित कर आवश्यकता वाली भूमि की पहचान की जाएगी। भूमि की स्थिति, विशेष रूप से सरकारी भूमि और अनुपयोगी सरकारी भूमि के रिकॉर्ड की जांच कर विकासोन्मुखी प्राथमिकताएं बनी रहें, इसके लिए इस भूमि का उपयोग केवल ग्रीन कवर–वृक्ष पोषण के लिए ही किया जाएगा। अन्य किसी उद्देश्य के लिए ऐसी भूमि का उपयोग न हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

वन मंत्री ने कहा कि इस कार्यक्षेत्र अंतर्गत आने वाली भूमि पर किसी भी प्रकार की वाणिज्यिक या लाभकारी गतिविधि नहीं करनी होगी। ऐसी विवादास्पद भूमि पर केवल ग्रीन कवर–वृक्ष पोषण करने हेतु उपयोग की अनुमति दी जाती है। ऐसी भूमि की सुरक्षा, रखरखाव एवं संरक्षण की जिम्मेदारी वन एवं पर्यावरण विभाग/उसके अधीनस्थ कार्यालयों की होगी।

उन्होंने जोड़ा कि इस कार्यक्षेत्र अंतर्गत भूमि पर यदि किसी प्रकार का अतिक्रमण हो, तो उसे हटाने की कार्रवाई वन एवं पर्यावरण विभाग/उसके अधीनस्थ कार्यालयों को करनी होगी। यदि इस भूमि से बिजली लाइन या अन्य पाइपलाइन गुजरती है और उस संबंध में भूमि की स्थिति के अनुसार किसी अन्य संस्था–कार्यालय का अभिप्राय लेना आवश्यक लगे, तो संबंधित कार्यालय का अभिप्राय प्राप्त करना होगा।

उन्होंने कहा कि संरक्षित क्षेत्रों में वन्यप्राणी विभाग द्वारा तथा वन क्षेत्रों में आने वाली सभी नदियों के रिवराइन फॉरेस्ट लैंडस्केप मैनेजमेंट से संबंधित कार्य क्षेत्रीय वन विभागों को करने होंगे। उन्होंने जोड़ा कि इन संरक्षित क्षेत्रों एवं वन क्षेत्रों के बाहर स्थित सभी नदियों के रिवराइन फॉरेस्ट लैंडस्केप मैनेजमेंट से संबंधित कार्य सामाजिक वनीकरण विभागों द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन तथा संबंधित जिला कलेक्टर कार्यालय के माध्यम से स्थान का चयन कर, उनसे वह स्थान प्राप्त कर आगे का समग्र कामकाज शुरू किया जाएगा।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री प्रवीण माळी ने कहा कि रिवराइन फॉरेस्ट लैंडस्केप मैनेजमेंट के अंतर्गत नदियों के दोनों तटों पर 'वृक्ष पोषण अभियान' में नर्मदा, तापी, पूर्णा सहित दक्षिण गुजरात क्षेत्र की 17 नदियों, सौराष्ट्र क्षेत्र की 71 तथा कच्छ क्षेत्र की सबसे अधिक 97 नदियों को शामिल किया गया है। इस अभियान से नदियों के दोनों तटों की भूमि का कटाव रुकेगा और साथ ही भूमिगत जल स्तर भी और अधिक ऊंचा होगा।

उन्होंने आगे जानकारी देते हुए कहा कि गुजरात में ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए वन महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक वनों का निर्माण, नमो वड वन, तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशभर में शुरू किए गए मिशन लाइफ के अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विशेष अभियान चलाया गया है। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में वृक्ष पोषण में उत्तर प्रदेश के बाद गुजरात देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नए अभियान के बाद गुजरात के ग्रीन कवर में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

वाइब्रेंट कच्छ कार्यक्रम में कुल 334 एमएसएमई इकाइयों के साथ 8500 करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर

गांधीनगर, 02 जनवरी : कच्छ के गांधीधाम में शुक्रवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया ने वाइब्रेंट कच्छ जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। इस कार्यक्रम में कुल 334 एमएसएमई इकाइयों के साथ 8500 करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।

गांधीधाम के डॉ. बाबासाहब आंबेडकर कन्वेंशन सेंटर में वाइब्रेंट कच्छ कार्यक्रम का शुभारंभ कराते हुए श्री मोढवाडिया ने कहा कि कच्छ की सत्वशील जनता ने अनेक प्राकृतिक आपदाओं की पीड़ा झेलकर आज कच्छ को विकास का केन्द्र बनाया है। सरकार के विजन तथा कच्छियों की तेजस्वी शक्ति तथा सत्व से कच्छ औद्योगिक हब बना है। कच्छ इस बात का उदाहरण है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से एक प्रदेश का किस प्रकार कायाकल्प हो सकता है। कच्छी जिस प्रकार चुनौतियों को स्वीकार करने वाली जनता है, उसी प्रकार प्रधानमंत्री ने कच्छ की चुनौतियों को अवसर में पलटकर कच्छ का अभूतपूर्व विकास किया है। एक समय पानी, रोजगार आदि मुद्दों से पीड़ित कच्छ आज अन्य राज्यों के लोगों को रोजगार दे रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की सरकार द्वारा विकास के रथ को आगे बढ़ाए जाने से कच्छ आज टूरिज्म, खेती तथा औद्योगिक विकास में अग्रसर बना है। कच्छ रिन्यूएबल एनर्जी का हब बनने के साथ देश का 40 प्रतिशत कारगो हैंडल कर रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कच्छ के इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट के पीसीबी के निर्माण, ग्रीन हाइड्रोजन, डेटा सेंटर, ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों के विकास का मुख्य केन्द्र बन सकता है। ऐसे में उन्होंने निवेशकों का आह्वान किया कि वे इन क्षेत्रों में जुड़ें।

इस अवसर पर धोलेरा के विकास की चर्चा करते हुए वन एवं पर्यावरण मंत्री ने जोड़ा की चुनौतियों को अवसर में परिवर्तित करना प्रधानमंत्री के विजन में है। कोरोना काल में गिनती के दिनों में वैक्सीन बनाने से लेकर लोगों को देने तक का कार्य करके भारत ने अन्य देशों को पीछे छोड़ दिया था। आज भारत वैक्सीन हब बना है। उसी प्रकार सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट की चुनौतियों को स्वीकार कर उसके उत्पादन के लिए सज्ज हुआ भारत आने वाले वर्षों में

आत्मनिर्भर बनकर दुनिया में अग्रसर बनेगा।

उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए हर क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनना होगा। इसके लिए कच्छ में भरपूर पोटेंशियल होने के कारण भारत के भविष्य का निर्माण करने वाले क्षेत्र में निवेश के लिए कच्छ में आकर संपत्ति सृजन करने का उन्होंने आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आने वाला समय एआई, क्वॉण्टम टेक्नोलॉजी तथा बायोटेक्नोलॉजी का होने के कारण इन क्षेत्रों में विकास के लिए आधुनिक रिसर्च सेंटर, एक्सीलेंस लैब आदि का निर्माण कर गुजरात सज्ज बना है। उन्होंने जोड़ा कि कच्छ का गोल्डन पीरियड चल रहा है। उन्होंने टिकाऊ विकास की विभावना तथा पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ कच्छ में वर्ल्ड क्लास नर्सरी बनाने को कहा। कच्छ में ग्रीन कवर बढ़ाने के अभियान में उद्योगों से जुड़ने का भी उन्होंने अनुरोध किया।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री त्रिकमभाई छांगा ने प्रसंगोचित संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभाली, तब से वाइब्रेंट गुजरात की शुरूआत हुई थी। आज जिला स्तर पर उसका आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए उन्होंने कच्छ जिला प्रशासन तथा कच्छ के उद्यमियों को अभिनंदन दिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकास को आंदोलन बनाकर भूकंप की पीड़ा के साथ पानी, बेरोजगारी की स्थिति में कच्छ को फिर से खड़ा किया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन से कच्छ अविरत विकास साध रहा है। ढाँचागत सुविधाएँ बढ़ने, औद्योगिक विकास, टेक्नोलॉजी से युक्त बंदरगाहों का विकास होने से कच्छ में रिवर्स माइग्रेशन हो रहा है।

हस्तकला की कच्छी कारीगर श्री पाबीबेन को याद करते हुए श्री छांगा ने कहा कि एक समय हस्तकला तथा गृहोद्योग आधारित रोजगार देने वाला कच्छ हाल में गुजरात में उद्योगों का हब बनने जा रहा है। वाइब्रेंट के जरिये कच्छ में करोड़ों रुपए का निवेश हो रहा है और रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने नागरिकों तथा उद्योगपतियों से आर्थिक विकास के साथ ही नैतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए तथा सामाजिक विकास को ध्यान में रखते हुए देश के विकास में सहभागी बनने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर कच्छ के सांसद श्री विनोदभाई चावडा ने कहा कि प्रधानमंत्री के दीर्घदृष्टिपूर्ण विजन से वाइब्रेंट गुजरात की शुरूआत हुई थी, जिसका लाभ कच्छ को मिलने से जिले में पोर्ट, मिनरल्स, केमिकल आदि क्षेत्रों में हजारों औद्योगिक इकाइयाँ कार्यरत हैं। आज कच्छ में रोजगार के विपुल अवसरों का सृजन होने से अन्य राज्यों के लोग यहाँ रोजगार के लिए आए हैं। इसे कच्छियों के लिए गौरव की बात बताते हुए श्री चावडा ने जोड़ा कि कच्छ गुजरात का एक मात्र जिला है, जिसे रण (रेगिस्तान), समुद्र तथा पर्वत का त्रिवेणी संगम मिला है। मुख्यमंत्री के अविरत प्रयासों से आज कच्छ कृषि, उद्योग एवं टूरिज्म क्षेत्रों में अग्रसर बना है। उन्होंने युवा उद्यमियों तथा निवेशकों से प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल के विजन को सार्थक कर वाइब्रेंट कार्यक्रम में जुड़ने की अपील की।

आबद्ध और वाणिज्यिक खदानों के शानदार प्रदर्शन के कारण कोयले के उत्पादन और प्रेषण में भारी उछाल आया है

(एजेंसी)।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान दिसंबर 2025 में आबद्ध और वाणिज्यिक खदानों से कोयले के उत्पादन और आपूर्ति में स्थिर वृद्धि दर्ज की गई। इस अवधि में उत्पादन 19.48 मिलियन टन (एमटी) रहा, जबकि इस माह के दौरान कोयले की आपूर्ति 18.02 मिलियन टन (एमटी) रही। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में यह 5.75 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दशार्ता है।

वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (क्यू-3) में आबद्ध और वाणिज्यिक खदानों से कुल कोयले का उत्पादन 54.14 मिलियन टन (एमटी) तक पहुंच गया, जबकि आपूर्ति 50.61 मिलियन टन (एमटी) रही। इस तिमाही में उत्पादन में 5.35 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई, जो इस क्षेत्र में निरंतर परिचालन गति को दशार्ती है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दिसंबर तक, इस क्षेत्र ने समग्र रूप से मजबूत प्रदर्शन किया है, जिसमें कोयला उत्पादन में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9.72 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि और आपूर्ति में 6.98 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। ये उत्साहजनक रुझान परिचालन दक्षता में सुधार और पूरे क्षेत्र में खनन क्षमता के अधिक प्रभावी उपयोग को दशार्ते हैं।

संलग्न ग्राफ उत्पादन और प्रेषण दोनों में लगातार हो रहे प्रदर्शन सुधार को स्पष्ट रूप से दशार्ता है, जिसमें

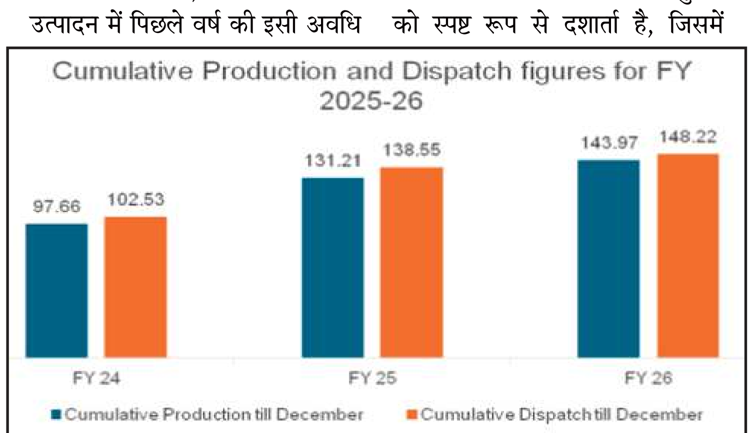

मजबूत वृद्धि दिखाई देती है।

मंत्रालय इस क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन का श्रेय कई रणनीतिक नीतिगत उपायों, कड़ी निगरानी और हितधारकों को निरंतर समर्थन को देता है। इन प्रयासों से परिचालन संबंधी स्वीकृतियों में तेजी लाने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे कोयला उत्पादन और आपूर्ति में वृद्धि हुई है।

कोयला मंत्रालय आबद्ध और वाणिज्यिक कोयला खनन के लिए एक स्थिर और प्रदर्शन-उन्मुख वातावरण बनाने पर केंद्रित है। निरंतर नीतिगत सुविधा, गहन प्रदर्शन निगरानी और हितधारकों के साथ समन्वित जुड़ाव के माध्यम से, मंत्रालय विश्वसनीय कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करने, प्रमुख क्षेत्रों में निर्बाध संचालन का समर्थन करने और देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने का लक्ष्य रखता है, जिससे वर्ष 2047 तक विकसित भारत के दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान दिया जा सके।

रांची से पटना तक राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच-19, 20 और 22) और पटना-रांची रेलवे मार्ग पर नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन

ट्राई ने झारखंड के हजारीबाग जिले और आसपास के क्षेत्रों में, रांची से पटना तक राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच-19, 20 और 22) और पटना-रांची रेलवे मार्ग पर नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन किया

(एजेंसी)।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नवंबर 2025 में बिहार लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र (एलएसए) के लिए अपने स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के निष्कर्ष जारी किए। इसमें हजारीबाग जिले और आसपास के क्षेत्रों के व्यापक शहरी मार्ग, एनएच-19, 20 और 22 के साथ रांची से पटना तक का राजमार्ग मार्ग और पटना से रांची तक का रेल मार्ग शामिल है। ट्राई के कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय की निगरानी में किए गए इन ड्राइव टेस्ट का मुख्य उद्देश्य शहरी इलाकों, संस्थानों, व्यावसायिक क्षेत्रों, आवासीय परिसरों और रेल मार्गों पर यात्रियों व अन्य उपयोगकताओं के अनुभव के आधार पर मोबाइल नेटवर्क के वास्तविक प्रदर्शन का आकलन करना था।

20 नवंबर 2025 से 28 नवंबर 2025 के बीच ट्राई की टीमों ने बिहार के हजारीबाग जिले और आसपास के क्षेत्रों के शहरी मार्गों, एनएच-19, 20 और 22 के साथ रांची से पटना तक के राजमार्ग और पटना से रांची तक के रेलवे मार्ग पर विस्तृत परीक्षण किए। इन परीक्षणों में 220.9 किलोमीटर का शहरी ड्राइविंग परीक्षण, 18 हॉटस्पॉट स्थान, 2.1 किलोमीटर का पैदल परीक्षण, 327.5 किलोमीटर का राजमार्ग ड्राइविंग परीक्षण और 376.9 किलोमीटर का रेलवे ड्राइविंग परीक्षण शामिल था। जिन तकनीकों का मूल्यांकन किया गया उनमें 2जी, 3जी, 4जी और 5जी शामिल थीं, जो विभिन्न हैंडसेट क्षमताओं में उपयोगकताओं के सेवा अनुभव को दशार्ती हैं। आईडीटी के निष्कर्षों से सभी संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) को पहले ही अवगत करा दिया गया है।

मूल्यांकित प्रमुख पैरामीटरः

ए) वॉइस सेवाएंः कॉल सेटअप सफलता दर (सीएसएसआर), कॉल ड्रॉप दर (डीसीआर), कॉल सेटअप समय, कॉल साइलेंस दर, ध्वनि की गुणवत्ता (एमओएस), कवरेज।

बी) डेटा सेवाएंः डाउनलोड/अपलोड थ्रूपुट, लेटेंसी, जिटर, पैकेट ड्रॉप दर और वीडियो स्ट्रीमिंग में देरी

हजारीबाग जिले और आसपास के क्षेत्रों के शहरी मार्गों, एनएच-19, 20 और 22 के साथ रांची से पटना तक के राजमार्ग मार्ग और पटना से रांची तक के रेलवे मार्ग में समग्र मोबाइल

3 जनवरी को पिपरावा के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे पीएम

भव अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी – प्रकाश और कमलः प्रबुद्ध व्यक्ति के अवशेष

(एजेंसी)।

संस्कृति मंत्रालय राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में पिपरावा से प्राप्त अवशेषों, अस्थि-कलशों और रत्न अवशेषों की एक ऐतिहासिक प्रदर्शनी का आयोजन कर रहा है। इन अवशेषों को हाल ही में भारत वापस लाया गया है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 3 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे करेंगे।

यह ऐतिहासिक प्रदर्शनी 127 वर्षों के बाद वापस लाए गए भगवान बुद्ध के पिपरावा रत्न अवशेषों को फिर से दुनिया को दिखाने के लिए है। इसके साथ ही 1898 और फिर 1971-1975 में पिपरावा स्थल पर हुई खुदाई से प्राप्त अवशेषों, रत्न अवशेषों और अवशेष पात्रों का भी एक बार फिर संगम हुआ है।

"प्रकाश और कमलः प्रबुद्ध व्यक्ति के अवशेष" शीर्षक वाली यह प्रदर्शनी संस्कृति मंत्रालय के अधीन विभिन्न सांस्कृतिक संस्थानों से सम्बंधित प्राचीन वस्तुओं और कलाकृतियों को विषयगत रूप से प्रदर्शित करती है। ये अवशेष बुद्ध से सम्बंधित सबसे व्यापक संग्रह का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह गहन दार्शनिक अर्थ, उत्कृष्ट शिल्प कौशल और वैश्विक

आध्यात्मिक महत्व का प्रतीक हैं। प्रदर्शनी में छठी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर वर्तमान तक की 80 से अधिक वस्तुएं शामिल हैं, इनमें मूर्तियां, पांडुलिपियां, थांगका और अनुष्ठानिक वस्तुएं शामिल हैं।

यह अभूतपूर्व आयोजन संस्कृति मंत्रालय द्वारा जुलाई 2025 में सार्वजनिक-निजी साझेदारी के माध्यम से हासिल की गई कलाकृतियों की सफल वापसी की याद में आयोजित किया गया है। इसके चलते सोथबीज हांगकांग में नीलामी रोक दी गई थी। 1898 की खुदाई के बाद पहली बार, इस प्रदर्शनी में निम्नलिखित अवशेषों को एक साथ लाया गया हैः

1898 में कपिलवस्तु की खुदाई से प्राप्त अवशेष

1972 की खुदाई से प्राप्त खजाने

कोलकाता स्थित भारतीय संग्रहालय से प्राप्त अवशेष और रत्नजड़ित खजाने

पेप्पे परिवार के संग्रह से हाल ही में वापस लाई गई कलाकृतियां

वह अखंड पत्थर का संदूक जिसके भीतर मूल रूप से रत्न अवशेष और अस्थि-पात्र पाए गए थे।

पवित्र बुद्ध अवशेषों की खोज विलियम क्लैक्सटन पेप्पे ने 1898 में कपिलवस्तु के प्राचीन स्तूप में की थी। इनकी खोज के बाद, इनके कुछ हिस्से विश्व स्तर पर वितरित किए गए, इनमें से एक हिस्सा सियाम के राजा को भेंट किया गया, दूसरा इंग्लैंड ले जाया गया और तीसरा कोलकाता के भारतीय संग्रहालय में संरक्षित किया गया। 2025 में, पेप्पे परिवार का हिस्सा संस्कृति मंत्रालय के निर्णायक कदम और विश्व भर के बौद्ध समुदायों के समर्थन से स्वदेश वापस लाया गया।

यह प्रदर्शनी बौद्ध धर्म के जन्मस्थान के रूप में देश की भूमिका को रेखांकित करती है और वैश्विक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक नेता के रूप में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, वैश्विक भागीदारी में भारत की सभ्यतागत एवं आध्यात्मिक विरासत का अधिक से अधिक उपयोग हो रहा है।

निर्यात संवर्धन मिशन के अंतर्गत लघु एवं मध्यम उद्यम के निर्यात को मजबूत करने के लिए दो प्रमुख पहलें शुरू की गई

लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए निर्यात ऋण हेतु पूर्व एवं पश्चात दोनों के लिए ब्याज सहायता शुरू की गई

लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की वित्त तक पहुंच में सुधार लाने के लिए दूसरे मध्यवर्तन के रूप में निर्यात ऋण के लिए आनुशंगिक गारंटी शुरू की गई

(एजेंसी)।

निर्यात संवर्धन मिशन के प्रारंभिक कार्यान्वयन के भाग के रूप में, लघु एवं मध्यम उद्यमों के निर्यात को मजबूत करने एवं व्यापार वित्त तक पहुंच में सुधार लाने के लिए निर्यात प्रोत्साहन उप-योजना के अंतर्गत दो प्रमुख मध्यवर्तन शुरू किए गए हैं।

पहला मध्यवर्तन निर्यात ऋण पर ब्याज सब्सिडी से संबंधित है, जिसका उद्देश्य निर्यात ऋण की लागत को कम करने और लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) निर्यातकों के सामने उत्पन्न होने वाली कार्यशील पूंजी संबंधी बाधाओं को दूर करना है। इस उपाय के अंतर्गत, पात्र ऋणदाता संस्थानों द्वारा दिए गए निर्यात ऋण पर ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाएगी जो निर्यात से पहले और बाद में रुपये में प्रदान की जाएगी। 2.75 प्रतिशत की आधार ब्याज सब्सिडी प्रदान की गई है जिसमें अधिसूचित अल्प-प्रतिनिधित्व वाले या उभरते बाजारों में निर्यात के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन का प्रावधान भी है, बशर्ते संचालन संबंधी तैयारी पूरी हो।

ब्याज सब्सिडी केवल सुसंगत प्रणाली के छह अंकों के स्तर पर अधिसूचित सकारात्मक टैरिफ लाइनों की सूची में शामिल नियार्तों पर ही लागू होगी जिसमें भारत की लगभग 75 प्रतिशत टैरिफ लाइनें शामिल हैं और जो एमएसएमई की उच्च भागीदारी को दशार्ती हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आयातक-निर्यातक कोड (आईईसी) के लिए निर्यातक-वार वार्षिक सीमा 50 लाख रुपये निर्धारित की गई है। घरेलू एवं वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए, लागू दरों की समीक्षा हर छह महीने में मार्च और सितंबर में की जाएगी।

पारदर्शी एवं डेटा-आधारित पद्धति का उपयोग करते हुए सकारात्मक सूची तैयार की गई है, जिसमें श्रम-प्रधान एवं पूंजी-प्रधान क्षेत्रों, एमएसएमई एकाग्रता एवं मूल्यवर्धन को प्राथमिकता प्रदान की गई है, जबकि प्रतिबंधित एवं निषिद्ध वस्तुओं, अपशिष्ट एवं स्क्रैप और ओवरलैपिंग प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत आने वाले उत्पादों को इसमें शामिल नहीं किया गया है। रणनीतिक निर्यात को बढ़ावा देने के लिए रक्षा और स्कोमेट द्वारा अधिसूचित उत्पादों को भी शामिल किया गया है। इस पहल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विस्तृत परिचालन दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। एक प्रायोगिक चरण शुरू किया जाएगा, जिसमें कार्यान्वयन संबंधी प्रतिक्रिया के आधार पर सुधार की संभावना मौजूद रहेगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

सवाल ! टैंक्स ले रहे तो यह सुविधाएं क्यों नहीं मिल रही हैं ?

(एजेंसी)।

बाराबंकी। राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एन.एच.आइ टोल तो भरपूर वसूल जा रहा है लेकिन इन पर यात्रियों को सुविधाएं नाममात्र की ही मिल रही हैं। बीते दिन को एक समाचार पत्र के ब्यूरो` बाराबंकी द्वारा की पड़ताल में इसकी पोल खुल गई। शायद कागजों में सुविधाएं उपलब्ध हो / हैं लेकिन हकीकत कुछ और ही है। टोल प्लाजा पर मूलभूत सुविधाएं पर सवाल उठ रहे । मामला लोगों की चर्चा में

बाराबंकी से बहराइच व गोड़ा जाने के लिय राष्ट्रीय राजमार्ग 28 सी पर` शहावपुर के समीप स्थित इस

टोल प्लाजा पर हर दिन टोल वसूला जा रहा है । लेकिन यहां पर अभीतक ही स्वच्छ उज्वल पानी की व्यवस्था नहीं है । बिडम्बना देखें स्थित टोल प्लाजा पर दो शौचालय लेकिन तालाबंद स्थिति में हैं। कहां है रेस्ट ? रूम पूछने पर शायद` बताया जायेगा । यद्यपि. आरओ प्लांटे लगा होना चाहिए जिससे वाहन चालकों को स्वच्छ पानी मिल सके।.परन्तु बोतलों में पानी लेकर क्रय विक्रय होता हैं । सबसे बड़ा सवाल दो पहियावाहनों के आवागमन और पैदल चलने यात्रियों की कौन सी लेन है ? अवश्य सभी जांच के विषयबिंदु है , प्रश्न यहीं , टोल प्लाजा पर मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। सवाल ! टैंक्स ले रहे तो यह सुविधाएं क्यों नहीं मिल रही हैं ?`

धार्मिक स्थल की बारीकी के साथ पड़ताल की जाए तो सारी खामियां आएंगी खुलकर सामने ...

(एजेंसी)।

बाराबंकी । एक ओर सरकार धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण के लिए करोड़ों रुपए पानी की तरह बहो रही है वही महाभारत कालीन तीर्थ स्थले कुंतेश्वरे धाम में सुंदरीकरण के नाम पर ठेकेदार द्वारा चर्चा में जमकर अनियमितताए बरती गई है। सवाल ! देव स्थान के संदर्भ में बात करते हैं जिला मुख्यालय से करीब 42 किलोमीटर पूरबे रामनगर टिकैतनगरे रोड पर स्थित कस्बा बदोसराय के मुख्य चौराहे से 2 किलोमीटर उत्तर किन्तूर में महाभारत कालीन तीर्थ स्थले कुंतेश्वरे धाम स्थित है जहां पर समय समय प्रदेश के कोने-कोने से श्रद्धालु पहुंच करके माता कुंती द्वारा स्थापित अद्भुत शिवलिंग का जलाभिषेक करके मनोवांछित फल प्राप्त करते हैं इस तीर्थ स्थल की पौराणिकता व महत्ता को देखते हुए शासन स्तर से यहां के सुंदरीकरण के

लिए लाखों रूपए की धनराशि अवमुक्त हुई थी । बड़ा आरोप ! जिसमें एक संस्था के ठेकेदार द्वारा सुंदरीकरण कराए जाने में जमकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है ।

` इस संबंध में कुंतेश्वरे उत्थान समिति के अध्यक्ष जयचंद यादव ने बीते दिनों में बताया कि यहां पर सोलर लाइटे शौचालय आरो प्लांटे बाउंड्री वाल आदि के निर्माण के लिए शासन स्तर लाखों रुपए की धनराशि अवमुक्त हुई थी जिसमें ठेकेदार द्वारा सुंदरीकरण के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग करते हुए बाउंड्री वाल में घटिया सामग्री का प्रयोग शौचालय के गड्ढे के नीव की नीचे से 8 फिट भराई `ऊपर साढ़े 9 फिट कर दी गई जिससे गड्ढे की दीवारें धसने लगी शौचालय का निर्माण जैसे तैसे ठेकेदार द्वारा कर दिया गया परंतु कौतुक प्रश्न ! जो चर्चा में उसे हैंडोवर अब तक के नहीं किया गया । यही नहीं लगाए गए आरो प्लांट से आज तक लोगों को एक बूंद पानी भी मयस्सर नहीं हो सका । फलस्वरूप गर्मी के मौसम में यहां आने वाले श्रद्धालुओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है यदि यहां पर कराए गए सुंदरीकरण की बारीकी के साथ पड़ताल की जाए तो सारी खामियां खुलकर सामने आ जाएंगी । समय के गर्भ में कब सुंदरीकरण कार्य पूर्ण होता है ?

सहायक श्रम आयुक्त अमित प्रकाश सिंह के निदेशों में ब्लॉक पूरे डलई में कैंप का आयोजन।

(एजेंसी)।

बाराबंकी ।

श्रम विभाग बाराबंकी द्वारा जिलाधिकारी के आदेशों के अनुपालन में दिनांक 2 जनवरी 2026 को सहायक श्रम आयुक्त अमित प्रकाश सिंह के निदेशों में जनपद बाराबंकी के ब्लॉक पूरेडलई के ब्लॉक सभागार में कैंप का आयोजन कराया गया जिसमें श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान श्रमिक पंजीकरण एवं नवीनीकरण की

प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में जीरो पॉवर्टी योजना के अंतर्गत चयनित परिवारों को श्रम विभाग से जोड़कर योजनाओं का लाभ दिलाने के संबंध में जानकारी दी गई।

उन्होंने अटल आवासीय योजना के अंतर्गत श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा हेतु उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी तथा बताया कि इसके लिए ऑनलाइन आवेदन दिनांक 1 जनवरी 2026 से बोर्ड की वेबसाइट पर किया जा सकता है।

इस अवसर पर बीडीओ, एडीओ पंचायत एवं श्रम विभाग से क्षेत्रीय श्रम प्रवर्तन अधिकारी सुमित कुमार, कुलदीप कुमार सिंह, अमन विक्रम यादव सहित ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव एवं ग्राम पंचायत सहायक उपस्थित रहे।

एआरटीओ कार्यालय पर ऑटो, ई-रिक्शा, बस व टैक्सी पदाधिकारियो के साथ जागरुकता कार्यशाला का आयोजन

(एजेंसी)।

बाराबंकी। परिवहन विभाग द्वारा 01 से 31 जनवरी तक चलाये जा रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत आज शुक्रवार को उप सम्भागीय परिवहन कार्यालय परिसर मे बस, ट्रक, आटो, ई-रिक्शा, टैक्सी चालक यूनियन पदाधिकारियो के साथ जीरो फैटेलिटी हेतु संवेदीकरण जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला मे सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक बलवन्त सिंह यादव ने चालको को जागरुक करते हुये कहा कि सड़को पर तेजी से बढ़ती दुर्घटनाओं के कारण यह काफी जरुरी है, कि इसके लिए निवारक उपाय अपनाएं जायें। क्योंकि मात्र इन्हीं के

द्वारा ही हम मानवीय कारणों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं। नियमों की पूरी जानकारी रखे और सदैव इनका पालन करें। हेलमेट, सीटबेल्ट, ओवरस्पीडिंग, ड्रिंक एण्ड ड्राईव एवं वाहन चलाते वक्त मोबाईल का प्रयोग न करने एंव अन्य सड़क सुरक्षा नियमों को लेकर विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला मे यातायात प्रभारी रामयतन यादव ने कि दुर्घटना का मुख्य कारण थकान, लापरवाह चालक, नशाकर तेजी से वाहन चलाना है। सुरक्षित ड्राइविंग के लिये आवश्यक है कि लंबी दूरी तय करते समय थकान होने पर वाहन रोककर खुद को और वाहन को सामान्य स्थिति मे आने दे। ताकि नींद के मारण संभावित दुर्घटना न होने पाये। कार्यशला मे ट्रक एसोसिशन अध्यक्ष अधिवक्ता अंगद वर्मा समेत स्टैण्ड़ के चालक मौजूद रहे।

महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) को अब ऑनलाइन कर दी गई

जिला प्रोबेशन अधिकारी अयोध्या ने अयोध्या ने सूचित किया है कि महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) को अब ऑनलाइन कर दिया गया है। ऑफलाइन फार्म अब जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय द्वारा स्वीकार नहीं किये जायेंगे। जनसामान्य अब अपने आवेदन वेबसाइट www.mbsyup.in पर ऑनलाइन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है अथवा जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय अयोध्या में सम्पर्क कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन हेतु आवश्यक अभिलेख में आवेदक व बच्चे की संयुक्त फोटो (अपलोड होना है), आवेदक व बच्चे का आधार कार्ड (आधार प्रमाणीकरण हेतु), मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र (अपलोड होना है), आवेदक का आय प्रमाण पत्र (अपलोड होना है), आवेदक का जाति व निवास प्रमाण पत्र, बच्चे का डी०बी०टी० इनेबल्ड खाता संख्या (पासबुक अपलोड होना है), मोबाइल नम्बर, बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र (अपलोड होना है), 5 वर्ष से ऊपर के बच्चों का विद्यालय द्वारा जारी अध्ययन प्रमाण पत्र/अपार आई०डी० (पेन नम्बर) व समस्त आवेदन-पत्र सम्बन्धित उपजिलाधिकारी/खण्ड विकास अधिकारी के लॉगिन आई०डी० पर प्रदर्शित होंगे, जो सत्यापनोपरान्त जिला प्रोबेशन अधिकारी की लॉगिन पर अग्रसारित किये जायेंगे, जिसके उपरान्त अनुमोदन प्राप्त कर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

03-06 आयु वर्ग अवकाश दिनांक 14.01.2026 तक विस्तारित

अयोध्या 02 जनवरी 2026 (सू0वि0): जिलाधिकारी श्री निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के 03-06 आयु वर्ग के बच्चों हेतु पूर्व में दिनांक 01.01.2026 तक अवकाश घोषित किया गया था, जिसे मौसम की प्रतिकूलता को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक 14.01.2026 तक विस्तारित किया जाता है।

पिता की पुण्यतिथि पर सेवा-संस्कार का संगम, विधायक ने किया कम्बल वितरण व भण्डारे का आयोजन

(एजेंसी)।

अयोध्या। संस्कार, सेवा और संवेदना की परंपरा को आत्मसात करते हुए विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने अपने पिता स्व. डॉ. कांति लाल गुप्ता की पुण्यतिथि के अवसर पर नया घाट स्थित सिचाई विभाग के गेस्ट हाउस में कम्बल वितरण व भण्डारे का आयोजन किया। सेवा कार्य के माध्यम से उन्होंने अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत स्व. डॉ. कांति लाल गुप्ता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। इसके उपरांत विधायक ने जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित भण्डारे में बड़ी संख्या में लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया।

विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि उनके पिता ने अपने पूरे जीवन में मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म माना। वही सेवा संस्कार उन्हें विरासत में मिले हैं, जिन्हें वे अपने सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन में निरंतर निभाने का प्रयास कर रहे हैं। गरीबों और वंचितों की सेवा को उन्होंने सदैव प्राथमिकता दी है और इसी संकल्प के साथ जनसेवा का मार्ग चुना है।

विधायक ने कहा कि सनातन संस्कृति में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की कामना निहित है और रामनगरी अयोध्या इस भाव की जीवंत मिसाल है। गरीबों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए सक्षम और समर्थ व्यक्तियों को सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए संकल्पित है और सरकारी योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्रों तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किए गए। इस अवसर पर श्रीमती नरवेदा गुप्ता, चन्द्र प्रकाश गुप्ता, संजय शुक्ला, अमल गुप्ता, बालकृष्ण वैश्य, अनूप गुप्ता, पंकज गुप्ता, छोटे मिश्रा, तरुण मित्तल, कमल उपाध्याय, लाल जी मिश्रा, हरभजन गौड़, नंद लाल गुप्ता की प्रमुख रुप से मौजूदगी रही।

महापौर ने समारोहपूर्वक किया रीडगंज में स्थापित ट्यूबवेल का लोकार्पण

-58 लाख रुपये की लागत से की गई स्थापना

-06 वार्डों में पेयजल सुविधा होगी बेहतर

(एजेंसी)।

अयोध्या। मंगल पांडे वार्ड स्थित रीडगंज में 57. 94 लाख रुपये की लागत से स्थापित ट्यूबवेल का लोकार्पण महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने शुक्रवार को समारोह पूर्वक किया। उन्होंने कहा कि नगर की पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है, उसी कड़ी में रीडगंज में एक बड़ा ट्यूबवेल की स्थापना की गई है। इससे मंगल पांडे वार्ड तथा आसपास के छह वार्ड की पेयजल व्यवस्था और सुदृढ़ हो सकेगी। इस मौके पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता वार्ड के पार्षद एवं उपसभापति राजेश गौड़ ने की। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय ने बताया कि इस मौके पर पार्षद चंदन सिंह, विशाल पाल, अनिल सिंह, रमाशंकर निषाद, महाप्रबंधक जलकल सौरभ श्रीवास्तव, सहायक अभियंता जय कुमार और अवर अभियंता अनू जायसवाल के अलावा स्थानीय नागरिकों में भाजपा के मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, स्वप्निल श्रीवास्तव, प्रेमचंद निषाद, शारदा सोनी, अमरेंद्र सिंह, ओमप्रकाश निषाद, जयप्रकाश

जयसवाल, राजकिशोर साहू, शैलेंद्र निषाद, मेवालाल सोनी, अमित शर्मा, प्रतिमा पांडे, सावित्री सागर आदि मौजूद रहे।

अटल सरकार ने पेश किया था सुशासन का मॉडल : शाही

-जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर सुशासन सम्मेलन का आयोजन

(एजेंसी)।

अयोध्या। प्रधानमंत्री रहते अटल बिहारी वाजपेयी ने देश के सामने सुशासन का जो मॉडल पेश किया था, उसे वर्तमान सरकार और बेहतर ढंग से लागू कर रही है। यह कहना था प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही का। वह नगर निगम के तिलक हाल में अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर संचालित कार्यक्रमों की कड़ी में आयोजित सुशासन सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि पोखरण परीक्षण, स्वर्ण चतुर्भुज योजना जैसी उपलब्धियां अटल सरकार के सुशासन की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि वाजपेयी सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुरूप अंतिम पायदान पर मौजूद व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने का जो सिलसिला शुरू किया था, वह मोदी सरकार में पूरी तरह आकर ले चुका है। उन्होंने भाजपा नेताओ एवं कार्यकताओं से अटल बिहारी वाजपेई की भावनाओं को आत्मसात कर गरीबों एवं वंचितों की सेवा का संकल्प लेने का आह्वान किया।

सम्मेलन का प्रस्तावना महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने रखा। संचालन भाजपा महानगर उपाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार त्रिपाठी ने किया। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने भाजपा सरकार की उपलब्धियां की चर्चा करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में नगर निगम के उपसभापति राजेश गौड़, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष परमानंद मिश्र, सुशील मिश्र बब्लू, अभय सिंह, शक्ति सिंह, राधारमण त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर एवं हेमंत जायसवाल, गौरव सिंह गोलू, अंशुमान मित्तल, अरविंद सिंह, कांशीराम रावत, विशाल सिंह बाबा, पार्षद अनिल सिंह, अनुज दास, बृजेंद्र सिंह, जयनारायण सिंह रिंकू, धर्मेंद्र मिश्र, रिशु पांडे, बृजेंद्र सिंह आदि ने हिस्सा लिया।

दोस्तो द्वारा योजनाबद्ध तरीके से हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

युवक की उसके दोस्तो द्वारा योजनाबद्ध तरीके से हत्या कर उसके शव को सरयू नदी के पानी में फेंक देने से सम्बन्धित घटना का सफल अनावरण कर 02 नफर अभियुक्तों को थाना रौनाही जनपद अयोध्या पुलिस द्वारा किया गया गिरफ्तार

अयोध्या(एजेंसी)।

श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 गौरव ग्रोवर जनपद अयोध्या के निर्देशन , प्रभारी निरीक्षक थाना रौनाही के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा थाना रौनाही जनपद अयोध्या पर पंजीकृत मु0अ0सं0 597/2025 धारा 103(1)/238 बी0एन0एस0 व 3(2)श एससी एसटी एक्ट थाना रौनाही जनपद अयोध्या से सम्बन्धित घटना मे शामिल दो नफर अभियुक्तों को आज दिनांक 02.01.2026 को गिरफ्तार कर घटनास्थल के पास छिपाकर रखे गये घटना मे प्रयुक्त आला कत्ल रक्त रंजित एक अदद बांका व मृतक शुभम का पर्स व उसका स्कूल से सम्बन्धित पहचान पत्र व रुपये आदि की बरामदगी कर हत्या की घटना का सफल अनावरण किया गया ।

दिनांक घटना-- 26.12.2025 समय लगभग 03 बजे दोपहर

घटनास्थल-- पम्पिंग स्टेशन के पास सरयू नदी बहद ग्राम रौनाही थाना रौनाही जनपद अयोध्या

मृतक का नाम - शुभम रावत पुत्र आशाराम रावत निवासी खानपुर थाना खंडासा जनपद अयोध्या

घटना का संक्षिप्त विवरण— दिनांक 27.12.2025 को श्री आशाराम रावत द्वारा उसके पुत्र के दिनांक 26.12.2025 को ड्योढ़ी

बाजार , रौनाही आने व वापस घर न जाने के सम्बन्ध में दर्ज कराई गई गुमशुदगी की जांच उनके दोस्तो के सीडीआर आदि प्राप्त करके प्रारम्भ की गयी जांच के दौरान उसके दोनो दोस्त अंकुर पाण्डेय व गिरीश रावत ने सरयू नदी तट रौनाही स्थित पंम्पिंग स्टेशन के पास नहाते समय डूब जाने की बात पहले छिपाई फिर पूछताछ में स्वीकार किया । जिसके आधार पर गोताखोरों तथा एसडीआरएफ टीम के माध्यम से शव को दिनांक 31.12.2025 को सरयू नदी से बरामद कर पंचायतनाम / पोस्टमार्टम कराया गया । पोस्टमार्टम से मृतक के सिर पर किसी धारदार हथियार से गम्भीर चोटों के आने के कारण मृत्यु हो जाने की बात प्रकाश मे आने पर जब मृतक को दोस्तो से सख्ती से पूछताछ की गयी तो उनके द्वारा शुभम की हत्या की बात स्वीकार करते हुए बताया गया कि शुभम ने अंकुर पाण्डेय की शादी की फोटो उसकी पुरानी प्रेमिका को भेज दिया था जिससे उसकी प्रेमिका नाराज होकर उससे दूर हो गयी ,तथा शुभम कुछ पैसे के लेने देन को लेकर हमेशा गिरीश रावत से गाली गलौज करता था। इस प्रकार अंकुर और गिरीश रावत ने शुभम की हत्या की योजना बना कर। दिनांक 26.12.2025 को इंज्वाय करने के बहाने सरयू नदी रौनाही स्थित पम्पिंग सेट पर ले जाकर अंकुर पाण्डेय व गिरीश रावत ने मिलकर धारदार बांके से सिर मे कई बार प्रहार कर हत्या कर दी व उसका शव सरयू नदी मे फेक दिया था ।

पंजीकृत अभियोग -

1. मु0अ0सं0 597/2025 धारा 103(1)/238 बी0एन0एस0 व 3(2)श एससी एसटी एक्ट थाना रौनाही जनपद अयोध्या

गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण -

01. अंकुर पाण्डेय पुत्र चन्द्र भाष्कर पाण्डेय उर्फ बेल्ही पाण्डेय निवासी ग्राम अहिरन का पुरवा मौजा डीली सरैया थाना खण्डासा जनपद अयोध्या उम्र करीब 22 वर्ष

02. गिरीश रावत पुत्र रवीन्द्र नाथ रावत निवासी ग्राम बभनियावां थाना रौनाही जनपद अयोध्या उम्र करीब 25 वर्ष

बरामदगी का विवरण-

1. हत्या की घटना मे प्रयुक्त आला ए कत्ल रक्त रंजित बांका एक एदद

2. मृतक शुभम का पर्स एक एदद

3. मृतक के स्कूल पहचान पत्र एक अदद

4. आधार कार्ड की छायाप्रति व पर्स मे मौजूद नगद 80 रुपये व दो सिक्के 05 रुपये , दो रुपये के

गिरफ्तार व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का विवरण

1. लाल चन्द्र सरोज प्र0नि0 थाना रौनाही जनपद अयोध्या

2. उ0नि0 देवेन्द्र नाथ राय चौकी प्रभारी ड्योढी बाजार थाना रौनाही जनपद अयोध्या

3. उ0नि0 आलोक कुमार यादव थाना रौनाही जनपद अयोध्या

4. का0 विकास यादव थाना रौनाही जनपद अयोध्या

5. का0 दीपक साहनी थाना रौनाही जनपद अयोध्या

6. का0 रविन्द्र यादव थाना रौनाही जनपद अयोध्या

7. का0 राहुल यादव थाना रौनाही जनपद अयोध्या

विधायक खेल महाकुंभ को लेकर योगी जी उत्साहित, फिर आ सकते हैं सोनभद्र

सोनभद्र, (एजेंसी)। भाजपा जिला मिडिया प्रभारी सोनभद्र अनूप तिवारी ने जानकारी दिया की सदर विधायक भूपेश चौबे शुक्रवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर खेल महाकुंभ में सोनभद्र आने का निमंत्रण दिया। योगी जी खेल को लेकर सदर विधायक का उत्साहवर्धन किए और सोनभद्र आने का आश्वाशन दिया। सदर विधायक भूपेश चौबे शुक्रवार को मुख्यमंत्री से मिलकर खेल महाकुंभ में आने का निमंत्रण पत्र जब सौंपे तो मुख्यमंत्री ने काफी उत्साहवर्धन किए। उन्होंने विधायक को अपने हाथों से खेल की टोपी पहना कर सफलता का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि सोनभद्र का खेल देश स्तर पर चर्चा में हैं। उन्होंने इस दौरान जनपद के अन्य विकास कार्यों के बारे में भी विधायक से जानकारी हासिल की। भूपेश चौबे इसके पूर्व खेल मंत्री से भी मिलकर आमंत्रण पत्र सौंपा। खेल मंत्री ने भी सोनभद्र आने का पूर्ण आश्वासन दिया।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनता दर्शन में सुनी गई फरियादियों की समस्याएं

सोनभद्र, (एजेंसी)। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं धैर्यपूर्वक सुना गया। जनता दर्शन में उपस्थित फरियादियों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, धोखाधड़ी सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक फरियादी की समस्या को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं कानून के दायरे में किया जाए तथा किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि जिन प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनता दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आमजन की समस्याओं को सीधे सुनकर समाधान करने का उद्देश्य पुलिस-जन संवाद को मजबूत करना एवं आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करना है। इस दौरान संबंधित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

निमाणाधीन पर्यटन कार्यालय तक बनायी जा रही सीसी रोड का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

सोनभद्र, (एजेंसी)। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने शुक्रवार को सर्किट हाउस के पास निमार्णाधीन पर्यटन कार्यालय तक पहुंच मार्ग हेतु बनायी जा रही सी0सी0 रोड का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने सीसी रोड में प्रयोग की जा रही कंक्रीट, सीमेंट, बालू, व सरिया के मानक के सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था के ठेकेदार व सम्बन्धित जेई से जानकारी प्राप्त किये। इस दौरान जिलाधिकारी ने सीसी रोड के किनारे बनायी गयी नाली को भी देखा और संतोष व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि सीसी रोड निर्माण के समय ध्यान दिया जाये कि सड़क का पानी नाली में बेहतर तरीके से निकासी हो सकें, जिससे सड़क पर पानी इकट्ठा न होने पाये। इसी प्रकार से जिलाधिकारी ने मेन हाईवे से जिला संयुक्त चिकित्सालय लोढ़ी में जाने-आने के लिए कुछ दिनों पहले बनायी गयी सीसी रोड का आकस्मिक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बनायी गयी सड़क की गुणवत्ता को देखा और सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दियें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अस्पताल में पूर्व से निर्मित पक्की सड़क की स्थिति का जायजा लिये, तो सड़क की दशा ठीक नहीं पायी गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग द्वारा बनायी गयी पक्की सड़क की मरम्मत कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये। उन्होंने कहा कि बनायी गयी सड़क कम समय में ही खराब हो गयी, लोक निर्माण विभाग की लापरवाही है, सड़क को शीघ्र मरम्मत कराया जाये, जिससे लोगों में आने-जाने में परेशानी न उठानी पड़ी। उन्होंने कहा कि अस्पताल में मरीजों का आना-जाना लगा रहता है, को ध्यान में रखते हुए सड़क को बेहतर किया जाये, जिससे मरीजों को तकलीफ न होने पायें।

रॉबट्र्सगंज मे कार से 10 लाख की चोरी के 3 आरोपी गिरफ्तार, मुठभेड़ में 2 घायल

सोनभद्र, (एजेंसी)। रॉबट्र्सगंज पुलिस ने 26 दिसंबर 2025 को रामलीला मैदान के पास एक कार से हुई 10 लाख रुपये की टप्पेबाजी का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में दो आरोपियों के पैर में गोली लगी है, जिन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रॉबट्र्सगंज भेजा गया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि टप्पेबाजी की घटना में शामिल आरोपी चुर्क रेलवे स्टेशन, रॉबट्र्सगंज, सोनभद्र के पास डेरा डाले हुए हैं। इस सूचना पर 2 जनवरी 2026 की रात एसओजी टीम, प्रभारी निरीक्षक थाना रॉबट्र्सगंज, चौकी प्रभारी कस्बा और चौकी प्रभारी सुकृत के नेतृत्व में तीन टीमें गठित की गईं। पुलिस टीमों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। खुद को घिरा देख आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें गैंग लीडर सुब्रमन्यम और बालामुर्गन निवासी जिला नंदूरबार, महाराष्ट्र के पैर में गोली लगने से वे घायल हो गए। एक अन्य आरोपी रामू नायकर उर्फ रामू नायडू निवासी जिला तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में आरोपी रामू नायडू ने बताया कि 26 दिसंबर 2025 को वह अपने साथियों बालामुर्गन, सुब्रमन्यम, गैंग की महिला सदस्य नंदिनी और दो नाबालिग लड़कों के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा, रॉबट्र्सगंज के बाहर मौजूद था। जब संबंधित व्यक्ति बैंक से रुपयों से भरा बैग लेकर वाहन में रखकर आगे बढ़ा, तो आरोपी बालामुर्गन ने चालक को इशारा कर वाहन के पंचर होने की सूचना दी। कुछ दूरी पर वाहन रुकने पर चालक और वाहन मालिक टायर बदलने में लग गए। इसी दौरान एक नाबालिग ने मौके का फायदा उठाते हुए वाहन से रुपयों से भरा बैग चोरी कर लिया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए 03 पुलिसकर्मी 'कॉप ऑफ दी मंथ' से सम्मानित

सोनभद्र, (एजेंसी)। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस लाइन चुर्क में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई। सलामी के उपरान्त पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं दौड़ लगाकर परेड का निरीक्षण किया गया तथा परेड में सम्मिलित पुलिस जवानों को भी दौड़ लगवाई गई।इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न थानों से आई सरकारी वाहनों एवं पीआरवी गाड़ियों के लाइट, हूटर, दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ उनके इवेंट एवं अभिलेखों की गहन जांच की गई। साथ ही परिवहन शाखा का सूक्ष्मता से निरीक्षण करते हुए वाहनों के रख-रखाव एवं अभिलेखीकरण को दुरुस्त रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा पुलिस लाइन मेस एवं आरटीसी मेस का निरीक्षण किया गया। भोजनालय कक्ष में जाकर बन रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई एवं स्वच्छता की जांच की गई तथा भोजन की गुणवत्ता को और बेहतर बनाए जाने हेतु आरटीसी प्रभारी एवं प्रतिसार निरीक्षक को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के आधार पर 03 पुलिस कर्मियों को 'कॉप ऑफ दी मंथ' के रूप में चयनित किया गया। चयनित पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यो की सराहना की गई। साथ ही निर्देशित किया गया कि चयनित तीनों पुलिसकर्मियों की फोटो एवं उनकी कार्यप्रणाली का विवरण जनपद के समस्त थानों में चस्पा किया जाए, जिससे अन्य पुलिसकर्मियों को भी उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रेरणा मिल सके।

परिवहन निगम में महिला परिचालकों की भर्ती वाराणसी में 9 जनवरी को रोजगार मेला

सोनभद्र, (एजेंसी) ।उत्तर प्रदेश परिवहन निगम महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत महिला संविदा परिचालकों की भर्ती करेगा। इसके लिए वाराणसी में 9 जनवरी 2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला चौधरी चरण सिंह कैंट बस स्टेशन स्थित क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। यह पहल मुख्यमंत्री की घोषणा और महिला सम्मान की दिशा में निगम की अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। महिला संविदा परिचालक पद के लिए शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके साथ ही अभ्यर्थियों के पास सीसीसी प्रमाण पत्र भी होना चाहिए। शैक्षिक योग्यता के अतिरिक्त, उम्मीदवारों को उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, एनसीसी, एनएसएस या स्काउट गाइड में से किसी एक का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। आयु सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसमें अनुसूचित जाति / जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को शासनादेश के नियमानसार छट मिलेगी। अधिमानी अर्हता के रूप में, एनसीसी बी प्रमाण पत्र, भारत स्काउट एवं गाइड संस्था के राज्य पुरस्कार या राष्ट्रपति पुरस्कार प्रमाण पत्र धारक महिला अभ्यर्थियों को इंटरमीडिएट में प्राप्त अंकों पर 5 प्रतिशत का वेटेज दिया जाएगा। एनएसएस प्रमाण पत्र धारकों के लिए भी समान प्रावधान लागू

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 65 व प्रांत अधिवेश संपन्न

सोनभद्र (एजेंसी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद" विश्व का सबसे बड़ा सक्रिय एवं राष्ट्रवादी छात्र संगठन है ।जो वर्ष भर विद्यार्थीयों एवं शिक्षा हितों के साथ-साथ देश व समाज में चल रहे प्रत्येक समसामयिक विषयों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करती है। इसी क्रम में काशी प्रांत का 65वॉं प्रांत अधिवेशन जौनपुर के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में दिनांक 28-31 दिसंबर 2025 तक सम्पन्न हुआ । जिसमें उद्घाटन, प्रस्ताव, भाषण, समानांतर जैसे विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। अंतिम सत्र घोषणाएं एवं समारोप का रहा जिसमें नवनिर्वाचित प्रांत अध्यक्ष डॉ महेंद्र त्रिपाठी ने सोनभद्र जिला से अनमोल सोनी को प्रान्त सोशल मीडिया संयोजक, राहुल जालान को प्रांत एसएफएस सहसंयोजक, मृगांक दुबे को खेलो भारत प्रांत सह संयोजक, अनमोल सेठ को इंटर कॉलेज प्रांत सह संयोजक, अभय सिंह को परिषद की पाठशाला का सह संयोजक, आर्य चित्रा को प्रांत कार्यसमिति सदस्य, एवं प्रांत कार्यकारिणी सदस्य के रूप में, सविता कुमारी, राज सिंह,जय विश्वकर्मा की घोषणा की। इन सभी कार्यकताओं के मनोनयन से जिला के कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त किया।

म्योरपुर में जन चौपाल का आयोजन, समस्याओं का त्वरित निस्तारण

सोनभद्र, (एजेंसी)। सोनभद्र के ग्राम पंचायत म्योरपुर में ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से जन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी-अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, वहीं शेष प्रकरणों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एवं स्वास्थ्य से जुड़े कार्यों को भी प्राथमिकता दी गई। चौपाल में गोद भराई एवं अन्नप्राशन संस्कार का आयोजन कर गर्भवती महिलाओं एवं छोटे बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने महिलाओं को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण आहार, टीकाकरण तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। जन चौपाल में मुख्य रूप से खंड विकास अधिकारी दिनेश कुमार मिश्र, ग्राम प्रधान संगीता जायसवाल, ग्राम प्रधान पति गणेश जायसवाल, एडीओ पंचायत, एडीओ कोऑपरेटिव, एडीओ समाज कल्याण चंद्रबली यादव, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी राघवेंद्र सिंह, ग्राम रोजगार सेवक भूपेंद्र कुमार, पंचायत सहायक आयुषी जायसवाल, श्रद्धा गुप्ता, मुख्य सेविका सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने ग्रामीणों से योजनाओं का लाभ लेने और समस्याओं की जानकारी समय से देने की अपील की।

शुक्रवार की साप्ताहिक परेड के अवसर पर पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़

एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार कराई गई ड्रिल-

बलरामपुर, (एजेंसी)। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री विकास कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री विशाल पाण्डेय द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन बलरामपुर में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड का बारीकी से निरीक्षण किया गया। परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए ड्रिल करवाई गयी ।

महोदय द्वारा परेड में उपस्थित यूपी 112 के वाहनो में दँगा नियंत्रक उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स व अन्य आवश्यक उपकरण चेक किए गए तथा यूपी-112 के सुरक्षाकर्मियों को ड्यूटी के दौरान रिस्पांस टाइम को और अधिक प्रभावी बनाए जाने हेतु दिशा निर्देश भी दिए गए।

इस दौरान महोदय द्वारा पुलिस लाइन का भ्रमण किया गया, इस दौरान पुलिस लाइन परिसर, स्टोर रूम, क्वार्टर गार्ड ,जीडी कार्यालय, कैंटीन, परिवहन शाखा, आदर्श आरक्षी बैरक, आवासीय परिसर तथा पुलिस भोजनालय का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता एवं मेस की साफ-सफाई चेक की गई ।आरक्षी बैरक तथा पुलिस लाइन आवास के आसपास साफ सफाई एवं स्वच्छता हेतु विशेष ध्यान देने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। महोदय द्वारा पुलिस आवासीय परिसर, बैरक तथा रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण के दृष्टिगत निरीक्षण कर परिसर की समग्र व्यवस्था आदि का जायजा लिया गया।

तत्पश्चात पुलिस लाइन के आदेश कक्ष में सभी गार्द रजिस्टरों को चेक करते हुए क्वार्टर गार्द की सुरक्षा के संबंध मे गार्द कमांडर को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । सभी कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ-साथ उनके रहने खाने-पीने एवं अन्य समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी कर समस्या का निराकरण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया ।